Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to set up paddy residue based electricity plant to check stubble burning.

सुश्री सुनीता दुग्गल (सिरसा): आदरणीय सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत आभार। मैं आपका ध्यान पिछले साल के शीतकालीन सत्र की तरफ दिलवाना चाहती हूं जब नियम 193 के तहत पॉल्यूशन पर हमने चर्चा की थी। आपने भी उसमें पार्टिसिपेट किया था। आपको ध्यान होगा कि उस समय हमारी सांसद श्रीमती नवनीत रवि राणा पॉल्यूशन की वजह से फेस मास्क लगाकर आयी थीं। उस समय यह कहा जा रहा था कि दिल्ली गैस चैम्बर बना हुआ है। हम सब इतने हैरान हुए थे कि मास्क में वह कैसी लग रही हैं। हमें क्या मालूम था कि तीन महीने बाद हम सभी को मास्क लगाकर आना पड़ेगा। हम सबका यही हाल होने वाला है।

महोदय, मैं आपका ध्यान इस तरफ दिलवाना चाहती हूं, क्योंकि जो पैडी है, अब उसके कटने का समय आ गया है। इसलिए हमने बहुत कोशिश की है, हमारे किसान भाइयों को समझाया है। वहां पर पराली न काटने पर उनको प्रोत्साहन राशि देने के लिए भी कहा गया है। लेकिन फिर भी मुझे यह लगता है और कुछ लोग यह बताते हैं कि यह हमारी मजबूरी है। अगर उन्होंने वहां पर स्टबल बर्निंग की, तो आप यह अंदाजा लगा सकते हैं कि इस कोरोना महामारी में सारा खेल सांस का है और आक्सीजन का है। अगर इस तरह से पॉल्यूशन बढ़ गया, तो मेरी माननीय अध्यक्ष जी से यह गुजारिश है कि अगर हम इसके ऊपर नियम 193 में कम से कम आधे घंटे की चर्चा करेंगे, तो अच्छा रहेगा।

मैं सदन के सभी माननीय सांसदों का ध्यान इसकी तरफ दिलवाना चाहती हूं। मैं आपके माध्यम से जो हमारे कृषि मंत्री जी हैं और जो रिन्यूएबल एनर्जी डिपार्टमेंट है, मैं उनसे यह आग्रह करना चाहती हूं कि अगर वे वहां पर पैडी रेजिड्यू-बेस्ड इलेक्ट्रिसिटी प्लांट लगाते हैं, तो उसमें विन-विन सिचुएशन रहती है कि एक तरफ हमारी जितनी भी पराली है, उसका इस्तेमाल हो जाएगा। इसके साथ ही साथ इलेक्ट्रिसिटी भी जेनरेट होगी। इसलिए, मैं आपके माध्यम से यह आग्रह करती हूं। अगर हमें बाद में नियम 193 के तहत इसको डिस्कस करना पड़े, आपको ध्यान होगा कि हमें 20 मार्च को बीच में ही रोकना पड़ा था। महोदय, मेरा आपके माध्यम से यह अनुरोध है।...(व्यवधान)

माननीय सभापति :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को सुश्री सुनीता दुग्गल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।